REET 2025
LEVEL-1 & 2
ROJGAR WITH ANKIT
वंदन बैच
हिंदी
विलोम शब्द
LIVE
05-02-2025 06:00 PM

विलोम शब्द – विलोम शब्द वे शब्द हैं जिनका अर्थ विपरीत होता है। जैसे – दिन – रात

	शब्द	विलोम
➪	ऋणात्मक (घटाव)	धनात्मक (जुड़ाव)
➪	विधवा (जिसका पति मर गया हो)	सधवा (जिसका पति जीवित हो)
➪	मुख्य (प्रधान)	गौण (नगण्य)
➪	पण्डित (ज्ञानी	मूर्ख (अज्ञानी)
➪	कुसुम (पुष्प, लाल रंग)	वज्र (कांटेदार)
➪	कृत्रिम (बनावटी)	प्राकृतिक
➪	वैभव	पराभव

➪	परोक्ष (अक्षि के परे)	प्रत्यक्ष (अक्षि के सामने)
➪	कृतज्ञ (किए उपकार को मानता है।)	कृतघ्न (किए उपकार को न मानने वाला)
➪	गरल (विष)	सुधा (अमृत)
➪	संकीर्ण (संकट, तंग)	विस्तीर्ण (खुला)
➪	सन्धि (मेल)	विग्रह (अलग)
➪	समास (संक्षेप)	व्यास (कथावाचक) ✓
➪	हर्ष (खुशी)	विषाद (दुःख)

↳	अधिकार (हक़)	अनधिकार
↳	अधिकृत (अधिकार)	अनधिकृत
↳	आग्रह (हठ)	दुराग्रह
↳	आमिष (मांस सहित)	निरामिष (मांस रहित)
↳	आविर्भूत (सामने आया)	तिरोभूत (सामने न हो)
↳	उपत्यका (पर्वत के पास की भूमि)	अधित्यका (पर्वत के ऊपरी भाग)
↳	उदात्त (ऊँचा)	अनुदात्त (नीचा)

➪	आविर्भाव (प्रकट होना)	तिरोभाव (छिपा होना)
➪	उन्मूलन (उखाड़ना)	रोपण (लगाना)
➪	ग्रस्त (जुड़ा हुआ)	मुक्त (स्वतन्त्र है)
➪	रुग्ण (रोगी)	स्वस्थ
➪	सहोदर (एक माता)	अन्योदर (जो एक माता से उत्पन्न सन्तान न हो)
➪	हास (हँसी)	रुदन (रोना)
➪	ह्रास (हानि)	वृद्धि/विकास (लाभ)

➾	तारुण्य (जवानी)	वार्द्धक्य (बुढ़ापा)
➾	तन्वंगी (कमजोर स्त्री)	स्थूलांगी
➾	दैविक	भौतिक
➾	दुष्कर (दु:साध्य)	सुकर
➾	धीरोदात्त (नियंत्रण)	धीरोद्धत
➾	नत (झुका हुआ)	उन्नत (उठा हुआ)
➾	निषेध (नकारात्मक)	विधि

	युयुत्सा (युद्ध)	मैत्री (मित्रता)
	उद्धत (अक्खड़)	विनीत
	कर्कश (कठोर, निर्दय)	मधुर
	श्रीगणेश (आरम्भ)	इतिश्री (समाप्त)
	अर्वाचीन (नया)	प्राचीन (पुराना)
	ऋजु (सीधा)	वक्र (टेढ़ा)
	अनिवार्य	वैकल्पिक

निरामिष (मांस रहित)	सामिष (मांस सहित)
पुरोगामी	पश्चगामी
पुष्टि	परिहार
प्रस्फुटन (खिलना)	मुकुलन
प्रशांत	उदभ्रांत
पीन (भरा-पूरा)	कृश
प्रच्छन्न (छिपा हुआ)	प्रतिपन्न

↳	ऋद्धि (सफलता)	विपन्न
↳	एकल	सकल
↳	एकाग्र (स्थिर)	चंचल
↳	खेचर (पक्षी)	भूचर
↳	चिरंजीवी	अल्पजीवी
↳	झंकृत (झंकार)	निस्तब्ध
↳	टीका	भाष्य

मूक	वाचाल
सामान्य	विशिष्ट (श्रेष्ठ)
मसृण (चिकना)	रुक्ष
चिरन्तन	नश्वर (नाश होना)
स्थावर (स्थिर) ✓	जंगम (स्थिर न हो)
पाश्चात्य (पिछला)	पौरस्त्य (सामने)
अज्ञ	विज्ञ

➪	आहूत	अनाहूत
➪	नैसर्गिक (प्राकृतिक)	कृत्रिम
➪	बाह्य	अभ्यान्तर
➪	गौरव (बड़प्पन, महत्त्व)	लाघव
➪	समष्टि (सामूहिकता)	व्यष्टि (एक व्यक्ति)
➪	तामसिक	सात्विक
➪	आकर्षण	विकर्षक

	ध्वंस (नष्ट करना)	सृजन (निर्माण करना)
	नूतन (नया)	पुरातन (पुरातन)
	कीर्ति (यश)	अपकीर्ति (अपयश)
	तरुण (नवयुवक)	वृद्ध
	पुरस्कार	तिरस्कार
	शुष्क (सूखा)	आर्द्र (नमी)
	सम्पन्न	विपन्न

↳	आवृत (छिपा हुआ)	अनावृत्त
↳	उदयाचल	अस्ताचल
↳	ग्राह्य	त्याज्य
↳	जाग्रत (जागना)	— सुषुप्त (सोने)
↳	पुष्ट	क्षीण
↳	उद्घाटन	समापन
↳	जटिल	सहज (सरल)

	शब्द	विलोम
➯	अतल (बिना पेंदे का)	वितल
➯	अमित (बेहद)	परिमित
➯	अर्पित (अर्पण किया)	गृहीत
➯	अवशेष (शेष भाग)	निःशेष
➯	अदेय (न देने योग्य)	देय
➯	असीम (बेहद)	ससीम

↳	महात्मा	दुरात्मा
↳	अल्पज्ञ	बहुज्ञ
↳	अथ	इति
↳	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
↳	अवनि	अम्बर
↳	उत्तरायण	दक्षिणायन
↳	अनुराग	विराग

निरामिष	आमिष/सामिष
थोक	फुटकर
स्वार्थ	परमार्थ
सदाचार	कदाचार
कल्पित (मनगंढ़त)	यथार्थ
आरोह	अवरोह
उर्वर	ऊसर (बंजर)

➪	घात	प्रतिघात
➪	क्षणिक (कम समय के लिए)	शाश्वत (हमेशा रहने वाला)
➪	असीम (बेहद)	ससीम
➪	तेजस्वी	निस्तेज
➪	सृष्टि	प्रलय
➪	आकलन	विकलन
➪	उत्थान (उठना) ✓	पतन ✓

➪	ज्येष्ठ (बड़ा)	कनिष्ठ (छोटा)
➪	जड़ (नींव, आधार)	चेतन (आत्मा, प्राणी)
➪	जारज (उपपति से योग से उत्पन्न)	औरस (जायज, विवाहिता से उत्पन्न पुत्र)
➪	स्थूल (मोटा, घना)	सूक्ष्म (बहुत बारीक)
➪	उन्मीलन (खुलना, खिलना)	निमीलन
➪	राजा	रंक

↳	अमर	मर्त्य (शरीर)
↳	चिरायु (लंबी उम्र)	अल्पायु
↳	बहिरंग	अंतरंग
↳	आकाश	पाताल
↳	संश्लेषण (जोड़ना, मिलाना)	विश्लेषण (छानबीन करना)
↳	अधुनातन	पुरातन/प्राचीनतम
↳	ऐश्वर्य (ईश्वरता,	अनैश्वर्य

	आधिपत्य)	
➪	राग	द्वेष (वैर, शत्रुता, विरोध)
➪	अधोगामी (नीचे जाने)	ऊर्ध्वगामी
➪	निन्दा (बुराई करना)	स्तुति (प्रशंसा करना)
➪	धवल (निर्मल, स्वच्छ)	कृष्ण/श्याम
➪	तिमिर (अंधकार)	आलोक (प्रकाश)
➪	परुष (कठोर)	कोमल

↳	अनभिज्ञ (मूर्ख)	अभिज्ञ
↳	आरूढ़ (सवार, आसीन)	अनारूढ़
↳	उपत्यका	अधित्यका
↳	दिवस	रात्रि
↳	निर्मल	मलिन
↳	मानव	दानव
↳	अपव्ययी	मितव्ययी

➯	आसक्त (लगा हुआ)	विरक्त
➯	अनाथ	सनाथ
➯	सकारात्मक	नकारात्मक
➯	धनवान	अकिंचन/निर्धन
➯	यौवन (युवावस्था)	जरा (बुढ़ापा)
➯	अनुरक्ति (प्रेम)	विरक्ति
➯	विख्यात	कुख्यात

➯	गत्यात्मक	स्थिर
➯	उन्मुख (उत्सुक)	विमुख
➯	चुस्त	ढीला/सुस्त
➯	स्तुत्य (प्रशंसनीय)	निन्दा/हेय
➯	कृपण	दानी
➯	कौटिल्य (टेढ़ापन)	आर्जव (सीधापन)
➯	अर्जन (कमाना)	व्यय

➪	भूगोल	खगोल
➪	अवर (छोटा, कनिष्ठ)	प्रवर
➪	वादी	प्रतिवादी
➪	आवेशित	अनावेशित
➪	सुलभ (सहज)	दुर्लभ
➪	परिश्रम	विश्राम
➪	विहित (उचित, मुनासिब)	निषिद्ध

➪	सहयोगी	प्रतियोगी
➪	स्वाधीन	पराधीन
➪	आवेशित	अनावेशित
➪	उदात्त (ऊंचा)	अनुदात्त
➪	शुक्ल (सफेद)	कृष्ण
➪	तीक्ष्ण	मंद
➪	उपार्जित (कमाया हुआ)	अनुपार्जित

	अक्षर	क्षर
	कृश (दुबला)	पुष्ट/स्थूल
	खंडन	मण्डन
	चपल (गतिमान)	गंभीर
	भ्रान्त	निर्भ्रान्त
	गुरू	लघु
	तृष्णा (प्यास)	वितृष्णा

➪	तटस्थ (निकट)	आसक्त
➪	संघटन (मेल)	विघटन
➪	प्रवेश	निकास
➪	परास्त	विजय
➪	ईप्सित (चाहा हुआ)	अनीप्सित
➪	हया	बेहया
➪	निष्काम	सकाम

➪	पृथक	एकत्र
➪	निन्दनीय	वन्दनीय
➪	पूर्ववर्ती	परवर्ती
➪	निजी	सार्वजनिक
➪	मिथ्या	सत्य
➪	इहलोक (यह जगत)	परलोक
➪	स्वतन्त्रतापूर्वक	दासतापूर्वक

➪	अर्पण	ग्रहण
➪	प्रफुल्ल	दु:ख/म्लान
➪	मौखिक	लिखित
➪	अपना	पराया
➪	आधिक्य	अनाधिक्य
➪	उत्कर्ष	अपकर्ष
➪	अपराधी	निरपराधी

↳	कोलाहल (शोर, हल्ला)	शान्त
↳	गहरा	छिछला
↳	कलंकित	निष्कंलक
↳	उन्नत (उठा हुआ)	अवनत
↳	एकपक्षीय	बहुपक्षीय
↳	सुडौल	बेडौल
↳	वसंत (फूलों का गुच्छा)	पतझड़

➪	शूरता	भीरुता
➪	सुदूर	सन्निकट
➪	स्वाधीनता	पराधीनता
➪	अपशकुन	शकुन
➪	मूढ़ (मूर्ख)	ज्ञानी
➪	निर्भीक	कायर
➪	अश्लील	श्लील

➪	वांछनीय (चाहने योग्य)	अवांछनीय
➪	सुगंध	दुर्गंध
➪	सुंदरता	कुरुपता
➪	लुप्त	व्यक्त
➪	रक्षक	भक्षक
➪	हिंसा	अहिंसा
➪	व्याप्त (फैला हुआ)	अव्याप्त

	सविकार	निर्विकार